कोटद्वार, रविवार
9 नवम्बर 2025
वर्षः 47
अंकः 177 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अनियंत्रित होकर भवन से टकराई कार, तीन पर्यटक घायल

हल्द्वानी। मल्लीताल क्षेत्र में शनिवार को एक कार अनियंत्रित होकर भवन से जा टकराई, जिससे कार में सवार तीन पर्यटक घायल हो गए। घायलों को बीडी पांडे अस्पताल में उपचार दिया गया। जानकारी के अनुसार, दिल्ली निवासी अंकित अपने परिवार के साथ नैनीताल घूमने आए थे। बताया गया कि वह गूगल मैप की सहायता से रास्ता देख रहे थे और बीडी पांडे अस्पताल के पीछे वाले मार्ग पर पहुंच गए, जहां आगे का रास्ता बंद था।

कार को पीछे करने के दौरान वाहन अनियंत्रित हो गया और सामने स्थित एक भवन से टकरा गया। टक्कर में कार क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार अंकित, उनकी पत्नी वृंदा और बेटी अनाइका घायल हो गए। राहगीरों की मदद से तीनों को बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल के डॉक्टर कोमल के अनुसार, वृंदा का हाथ फ्रैक्चर हुआ है जबकि अन्य को सामान्य चोटें आईं। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

देवभूमि अस्पताल में गर्भवती महिला की मौत पर हंगामा

हरिद्वार। मध्य हरिद्वार के देवभूमि अस्पताल में शुक्रवार देरात ऑपरेशन के दौरान भोगपुर निवासी गर्भवती 22 वर्षीय महिला आरती की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया। एसीएमओ डॉ. राजेश कुंवर ने शनिवार सुबह अस्पताल के सभी चिकित्सकीय अभिलेख और दस्तावेज कब्जे में ले लिए। साथ ही ऑपरेशन थिएटर को सील कर दिया। मृतक आरती के पति अंकित के अनुसार जिला महिला अस्पताल से चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया था। वह आरती को लेकर शुक्रवार दोपहर तीन बजे करीब देवभूमि अस्पताल पहुंचे। जहां रात को चिकित्सक आरती को ऑपरेशन थिएटर में ले गए। अंकित ने बताया कि चिकित्सकों ने खून की कमी की बात कही तो वह खून लेकर आए। इसके बाद दो बार प्लेटलेट्स भी मंगाई गई।

राज्य आंदोलनकारियों ने किया सीएम आवास कूच, पुलिस ने रोका

देहरादून। उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद से जुड़े आंदोलनकारियों और विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को सीएम आवास कूच किया। इस दौरान उन्होंने चिन्हीकरण की प्रक्रिया पूरी नहीं होने को लेकर नाराजगी जताई। वक्ताओं ने सरकार पर निशाना साधा। कूच कर रहे आंदोलनकारियों को पुलिस ने दिलाराम चौक पर आगे जाने से रोक दिया। ज्ञापन लेने के लिए पहुंचे एसडीएम ने दो दिन बाद वार्ता करवाने का आश्वासन दिया तो सभी वापस लौट गए। राज्य आंदोलनकारी, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, राजनैतिक दलों के कार्यकर्ता बहल चौक से आगे एकत्रित हुए।

यहां वक्ताओं ने कई ज्वलंत मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। साथ ही छूटे हुए आंदोलनकारियों को चिन्हित करने की प्रक्रिया पूरी नहीं होने को लेकर नाराजगी जताई। कुछ देर बाद हाथ में बैनर लेकर सभी एकत्रित लोग सीएम आवास की ओर कूच करने के लिए आगे बढ़े। लेकिन पुलिस ने उन्हें दिलाराम चौक पर आगे जाने से रोक दिया। ज्ञापन लेने के लिए मौके पर पहुंचे उपजिलाधिकारी प्रेमलाल ने आक्रोशित राज्य आंदोलनकारियों को दो दिन बाद शासन से वार्ता करवाने का आश्वासन दिया। इसके बाद मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी देते हुए सभी वापस लौट गए और कूच को स्थगित कर दिया।

सोते वक्त बीजेपी नेता को मारी गोली, घर में मचा हड़कंप

सहारनपुर ,उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक दर्दनाक वारदात ने इलाके में सनसनी फैला दी है। यहां अज्ञात बदमाशों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना उस समय हुई जब नेता अपने घर में सो रहे थे। सुबह परिजनों ने खून से लथपथ शव देखा तो इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान भाजपा नेता मनोज चौधरी (45) के रूप में हुई है, जो थाना नकुड़ क्षेत्र के रहने वाले थे।

चंद्रयान–2 ने भेजा डाटा

भविष्य के चंद्र मिशनों में मिलेगी मदद

नई दिल्ली। चंद्रयान–2 के आर्बिटर ने चंद्रमा से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां भेजी हैं। चंद्रयान–2 का आर्बिटर 2019 से लगातार चांद की परिक्रमा कर रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) चंद्रयान–2 आर्बिटर से उन्नत डाटा प्राप्त होने की शनिवार को घोषणा की। इससे विज्ञानियों को चंद्रमा पर बर्फ, सतह की बनावट और मिट्टी की विशेषताओं की जानकारी मिलेगी। यह भविष्य के चंद्र मिशनों के लिए बेहद अहम है। इसरो ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि चंद्रयान–2 के आर्बिटर से मिला डाटा चंद्रमा के ध्रुवीय क्षेत्रों की गहन समझ के लिए उपयोगी हैं। इनमें चंद्रमा की सतह के भौतिक और परावैद्युत गुणों का वर्णन करने वाले महत्वपूर्ण डाटा शामिल हैं। चंद्रयान–2 आर्बिटर ने अपने दोहरे आवृत्ति सिंथेटिक एपर्चर रडार (डीएफएसएआर) से उच्च गुणवत्ता वाले डाटा भेजे हैं।

कैसे रिसीव करता है सिग्नल?

अहमदाबाद स्थित इसरो के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी) के विज्ञानियों ने डाटा का उपयोग करके 25 मीटर प्रति पिक्सेल के हाई रिजाल्यूशन पर चंद्रमा का पहला पूर्ण–ध्रुवमितीय या पोलारिमेट्रिक, एल–बैंड रडार मानचित्र तैयार किया है। यह रडार अब तक का सबसे उन्नत उपकरण माना जा रहा है क्योंकि यह ऊर्ध्व (वर्टिकल) और क्षैतिज (हारिजेंटल) सिग्नल भेजकर और रिसीव करता है।

लालकृष्ण आडवाणी के आवास पर पहुंचे पीएम मोदी

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। प्रधानमंत्री यहां आडवाणी के आवास पर पहुंचे और उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट किया।

इससे पहले दिन में मोदी ने उन्हें एक महान दृष्टिकोण वाला राजनेता बताया। राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा को एक मजबूत ताकत के रूप में उभारने में अहम भूमिका निभाने वाले आडवाणी शनिवार को 98 वर्ष के हो गए।

भारत की प्रगति के लिए बताया समर्पित

मोदी ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर लिखा कि लालकृष्ण आडवाणी जी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। महान दृष्टिकोण वाले और तीक्ष्ण बुद्धिमत्ता से संपन्न राजनेता आडवाणी जी का जीवन भारत की प्रगति को सुदृढ़ करने के लिए समर्पित रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने निस्वार्थ कर्तव्य और दृढ़ सिद्धांतों की भावना को सदैव अपनाया। उनके योगदान ने भारत के लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक परिदृश्य पर अमिट छाप छोड़ी है।

पीएम मोदी को भा गई देवभूमि उत्तराखंड, 11 साल में 16वीं बार आगमन

देहरादून : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उत्तराखंड से विशेष लगाव किसी से छिपा नहीं है। उत्तराखंड की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आगमन भी महज औपचारिक नहीं, बल्कि देवभूमि से उनके गहरे रिश्तों का प्रतीक है। अपने कार्यकाल के 11 वर्षों में पीएम मोदी 16वीं बार देवभूमि पधार रहे हैं। वह जब भी उत्तराखंड आते हैं, तो आस्था, विश्वास के साथ विकास का नया संदेश लाते हैं। अपने हर दौरे में उन्होंने उत्तराखंड को नए शिखर पर ले जाने का संकल्प दोहरा कर अनेक विकास योजनाओं की सौगात दी हैं। राज्य को अब तक मिल चुकी एक लाख करोड़ से अधिक की विकास योजनाएं इसका उदाहरण है।

वर्ष 2014-2019 : आपदा से जूझते राज्य को नई दिशा

वर्ष 2014 में पदभार संभालने के बाद पीएम मोदी ने केदारनाथ धाम का दौरा किया, जहां उन्होंने 2013 की भीषण आपदा के बाद पुनर्निर्माण कार्यों की समीक्षा की।

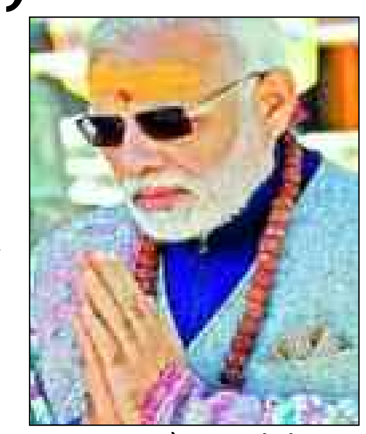

वर्ष 2017 और 2019 के केदारनाथ दौरे में पीएम मोदी ने हजारों करोड़ की परियोजनाओं को हरी झंडी दी।

मई 2019 में उन्होंने केदारनाथ की रुद्र गुफा में ध्यान कर आध्यात्मिक पर्यटन को नई पहचान दी।

वर्ष 2021 : राज्य को मिली 18 हजार करोड़ की सौगात

चार दिसंबर 2021 को पीएम मोदी ने देहरादून में लगभग 18,000 करोड़ की 18 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें देहरादून–दिल्ली एक्सप्रेसवे, ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना, नई एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग और स्मार्ट सिटी योजना जैसे बड़े प्रोजेक्ट शामिल थे।

वर्ष 2023 : निवेश के नए युग की शुरुआत

दिसंबर 2023 में देहरादून में आयोजित वैश्विक निवेशक सम्मेलन में पीएम मोदी ने नया उत्तराखंड–आत्मनिर्भर भारत का नारा दिया। इस मौके पर तीन लाख करोड़ से अधिक के निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

वर्ष 2025 : खेल, पर्यटन और आपदा राहत पर फोकस

जनवरी 2025 में प्रधानमंत्री ने देहरादून से 38वें राष्ट्रीय खेलों का शुभारंभ किया और खेल अवसंरचना के लिए 2,000 करोड़ की परियोजनाएं घोषित कीं।

प्रधानमंत्री आज करेगें 8260 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 9 नवम्बर को उत्तराखंड राज्य गठन की रजत जयंती पर एफआरआई देहरादून में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री एक स्मारक डाक टिकट जारी करेंगे तथा समारोह में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे।राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के इस अवसर पर प्रधानमंत्री 8260 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। ये परियोजनाएं पेयजल, सिंचाई, तकनीकी शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, खेल और कौशल विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों से संबंधित हैं। प्रधानमंत्री जिन परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, उनमें अमृत योजना के अंतर्गत देहरादून जलापूर्ति कवरेज, पिथौरागढ़ में विद्युत सबस्टेशन, सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा संयंत्र, हल्द्वानी स्टेडियम (नैनीताल) में एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान प्रमुख हैं।

प्रदेशवासी राज्य आंदोलनकारियों की स्मृति में पांच दीपक अवश्य जलाएं

राज्य स्थापना रजत जयंती वर्ष के अवसर पर राज्य आंदोलनकारियों और शहीदों के परिजन सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को देहरादून स्थित शहीद स्थल कचहरी परिसर में उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने अपील की कि राज्य स्थापना दिवस पर प्रदेशवासी अपने घरों में पांच दीपक राज्य आंदोलनकारियों की स्मृति में अवश्य जलाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए राज्य आंदोलन की भावना ही हमारी प्रेरणा है। उन्होंने सभी से इस प्रयास में सहभागिता का आह्वान किया। उत्तराखंड राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर मुख्यमंत्री ने पुलिस लाइन में आयोजित राज्य आंदोलनकारी सम्मान समारोह में राज्य आंदोलनकारियों और शहीद राज्य आंदोलनकारियों के परिवारजनों को सम्मानित किया। कचहरी परिसर शहीद स्थल

और पुलिस लाइन देहरादून में इस अवसर पर राज्य आंदोलनकारियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य का निर्माण केवल राजनीतिक निर्णय नहीं, बल्कि देवभूमि के लाखों लोगों के बलिदान, संघर्ष और तप का परिणाम है। उन्होंने राज्य आंदोलनकारियों के लिए संचालित पेंशन एवं अन्य सुविधाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल सहायता नहीं, बल्कि हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, सुबोध उनियाल, सांसद श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह, राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक विनोद चमोली, खजानदास, उमेश शर्मा काऊ श्रीमती सविता कपूर, उपाध्यक्ष राज्य आंदोलनकारी सम्मान परिषद सुभाष बड़थ्वाल, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह एवं राज्य आंदोलनकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने राज्य आंदोलनकारी और उनके आश्रितों की पेंशन बढ़ाने की घोषणा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शहीद राज्य आंदोलनकारियों के नाम पर उनके क्षेत्र की मुख्य अवस्थापना सुविधाओं का नामकरण करने, उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन के दौरान 7 दिन जेल गये अथवा राज्य आन्दोलन के दौरान घायल हुये आंदोलनकारियों की पेंशन प्रतिमाह 6 हजार रूपए से बढ़ाकर 7 हजार रूपए प्रतिमाह करने, राज्य आंदोलन के दौरान जेल गये या घायल श्रेणी से भिन्न अन्य राज्य आन्दोलनकारियों की पेंशन प्रतिमाह 4500 रूपए से बढ़ाकर 5500 रूपए प्रतिमाह करने, उत्तर-ाखण्ड राज्य आन्दोलन के दौरान विकलांग होकर पूर्णतः शय्याग्रस्त हुए राज्य आन्दोलनकारियों की पेंशन प्रतिमाह 20,000 हजार रूपए से बढ़ाकर 30,000 हजार रूपए करने और उनकी देखभाल के लिए मेडिकल अटेंडेंड की व्यवस्था करने, राज्य आन्दोलन के दौरान शहीद हुये राज्य आन्दोलनकारियों के आश्रितों की पेंशन प्रतिमाह 3000 रूपए से बढ़-ाकर 5500 रूपए करने, राज्य आन्दोलनकारियों के चिन्हीकरण हेतु वर्ष 2021 तक जिलाधिकारी कार्यालय में प्राप्त लम्बित आवेदन पत्रों के निस्तारण हेतु छः माह का समय विस्तार प्रदान करने, समस्त शहीद स्मारकों का सौंदर्यीकरण कराने की घोषणा की।

वंदे मातरम् मजहब के खिलाफ, मैं नहीं गाता; संभल सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क का विवादित बयान

संभल। यूपी के संभल जिले में समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने एक बार फिर वंदे मातरम् को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि वह वंदे मातरम् नहीं गाते, क्योंकि इसके कुछ शब्द उनके मजहब के खिलाफ हैं। उनके दादा पूर्व सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क ने भी हमेशा इस गीत का विरोध किया था। शनिवार को सांसद बर्क ने अपने आवास पर मीडिया से कहा कि जन–गण–मन हमारा राष्ट्रगान है, जिसका मैं पूरा सम्मान करता हूं और उसे गाता भी हूं, लेकिन वंदे मातरम् राष्ट्रगीत है, जिसे गाने के लिए किसी को मजबूर नहीं किया जा सकता। इसके कुछ शब्द इस्लामिक आस्था के विरुद्ध हैं। बर्क ने कहा कि उनका मजहब केवल एक अल्लाह की इबादत करने की इजाजत देता है, इसलिए वह किसी अन्य स्थान को सजदा नहीं कर सकते।

मैं इस मुल्क की मिट्टी से मोहब्बत करता

उन्होंने कहा कि ह्लमैं इस मुल्क की मिट्टी से मोहब्बत करता हूं, वफादार हूं, लेकिन उसकी इबादत नहीं कर सकता। यह मेरा मजहबी और संवैधानिक अधिकार है। सांसद ने कहा कि वह राष्ट्रगान ह्यजन–गण–मनह्न के प्रति हमेशा वफादार रहे हैं और रहेंगे, क्योंकि उसमें ऐसा कोई शब्द नहीं है जो उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाए।

भारत दुनिया के शीर्ष पांच रिफाइनिंग देशों में शामिल, केंद्रीय मंत्री ने की बड़ी घोषणा

नई दिल्ली। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि भारत अपनी 23 विश्वस्तरीय रिफाइनरियों और 258.2 एमएमटीपीए (मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष) की कुल क्षमता के साथ अब दुनिया के शीर्ष पांच रिफाइनिंग देशों में शामिल है।

मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "भारत की तेल रिफाइनिंग की कहानी विकास, नवाचार और आत्मनिर्भरता की कहानी है। घरेलू मांग को पूरा करने से लेकर वैश्विक बाजारों को बढ़-ावा देने तक यह यात्रा उल्लेखनीय रही है।"

विकसित भारत का लक्ष्य

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 2024–25 में देश का पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात 6.47 करोड़ टन हो गया जो 2014–15 में 5.55 करोड़ टन था। मंत्री ने कहा, "आज हर रिफाइनरी बीएस–6 ईंधन का उत्पादन करती है।" पुरी ने कहा कि भारत की ऊर्जा रणनीति में ईंधन और पेट्रोकेमिकल का विकास दोनों को शामिल किया गया है।

हालांकि, भविष्य में ऊर्जा में पारंपरिक ईंधनों की हिस्सेदारी धीरे–धीरे कम होती जाएगी, लेकिन विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ने से ये दशकों तक एक प्रमुख भूमिका निभाते रहेंगे।

जहरीली हवा से रेड जोन में पहुंची दिल्ली

नई दिल्ली। दिल्ली वालों को फिर 'जहरीली हवा' का सामना करना पड़ रहा है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, शनिवार को दिल्ली के कई हिस्सों में एक्यूआई का स्तर 400 को पार कर गया। एक्यूआई का 400 के स्तर को पार करना जहरीली हवा की श्रेणी में माना जाता है। इसे गंभीर श्रेणी में हवा का होना भी कहते हैं। इससे राष्ट्रीय राजधानी देश के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक बन गई। आने वाले दिनों में दिल्ली में पलूशन की समस्या गहराने का अनुमान है।

रेड जोन में पहुंची दिल्ली

सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में हर दिन शाम को 4 बजे दर्ज किया जाने वाला 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शनिवार को 361 अंक रहा। इससे दिल्ली 'रेड जोन' में आ गई। दिल्ली देश का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर बन गया। 24 घंटे के दौरान इसमें 39 अंकों की तेज बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली के कई इलाकों में शनिवार को 5

बजे एक्यूआई 400 के पार यानी गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया।

इन इलाकों में अदक 400 पार

सीपीसीबी के मुताबिक, अलीपुर, बवाना, बुराड़ी क्रासिंग, आईटीओ, जहांगीरपुरी, नरेला, नेहरू नगर, रोहिणी, विवेक विहार और वजीरपुर जैसे इलाकों में शाम पांच बजे एक्यूआई का स्तर 400 को पार कर गया।

हवा में 3 गुने से ज्यादा प्रदूषक कण

शनिवार को पीएम2.5 और पीएम10 प्रमुख प्रदूषक बने रहे। शनिवार की शाम तीन बजे दिल्ली–एनसीआर की हवा में पीएम 100 का स्तर 321 और पीएम 2.5 का स्तर 187 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पर रहा। यानी दिल्ली–एनसीआर की हवा में मानकों से तीन गुने से भी ज्यादा प्रदूषक कण मौजूद हैं। मानकों के मुताबिक हवा में पीएम 10 का स्तर 100 से और पीएम 2.5 का स्तर 60 से नीचे होने पर ही उसे स्वास्थ्यकारी माना जाता है।

पराली, तापमान और हवा 3 फैक्टर जिम्मेदार

दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने के पीछे कई कारकों को जिम्मेदार माना जा रहा है। दिल्ली में दिन के ज्यादातर समय हवा की रफ्तार 10 किलोमीटर प्रति घंट से कम रह रही है। इससे प्रदूषक कणों का विसर्जन धीमा हो रहा है जबकि, दिन के समय हवा की रफ्तार बढ़ी तो उसकी दिशा उत्तरी पश्चिमी थी। यह हवा अपने साथ–साथ पराली का धुआं भी ला रही है।

अल–कायदा और आईएसआईएस का आतंक, पांच भारतीयों को उठा ले गए आतंकी

माली ,पश्चिमी अफ्रीकी देश माली में जिहादियों का आतंक एक बार फिर चरम सीमा पर पहुंच गया है। अल–कायदा और आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठन यहां आए दिन दहशत का मौहाल बना कर रखते है। वहीं बीते दिन गुरुवार को एक हथियारबंद आतंकी ने 5 भारतीयों का अपहरण कर लिया है। जो इलेक्ट्रिफिकेशन करने वाली एक कंपनी में तैनात थे। माली के सुरक्षाबलों के मुताबिक कंपनी के शेष स्टाफ को एक बामाको में शिफ्ट किया गया है। वहीं सुरक्षाबल इस मामले में जांच भी कर रहा है। दूसरी तरफ किसी भी आतंकी संगठन ने इस मामले में कोई जिम्मेवारी नहीं ली है। आपको बता दें कि माली में फिलहाल सेना का ही शासन है। अल–कायदा और आईएसआईएस की वजह से यहां आतंकी घटनाएं हुआ करती हैं। माली इस समय आर्थिक संकट से जूझ रहा है।

दिल्ली के बाद अब नेपाल के एयरपोर्ट पर तकनीकी दिक्कत

दिल्ली ,दिल्ली में टेक्निकल ग्लिच के चलते उड़ानों में आई परेशानी के बाद आज नेपाल में भी यही समस्या देखने को मिली। रिपोर्ट्स के मुताबिक नेपाल की राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट को स्थानीय समयानुसार शाम 5.30 पर तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ गया है, जिसकी वजह से यहां से 5 उड़ानों को फिलहाल रोक दिया गया है। बाकी आगामी फ्लाइट्स पर भी संशय बरकरार है।

एयरपोर्ट के रनवे की एयरफील्ड लाइटिंग में समस्या सामने आई थी। अभी कम से कम पांच उड़ानों को रोक दिया गया है और आगे की उड़ानों के निर्धारित कार्यक्रम पर भी दिक्कत बनी हुई है। गौरतलब है कि इस एयरपोर्ट से घरेलू

और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह की फ्लाइट्स उड़ान भरती हैं। गौरतलब है कि नेपाल के अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यह ग्लिच दिल्ली में आई परेशानी के एक दिन बाद सामने आया है। राजधानी दिल्ली के एयरपोर्ट पर आई समस्या की वजह से करीब 800 उड़ानों में समस्या आई थी। यहां पर ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम में समस्या आई थी। अधिकारियों के मुताबिक सुबह करीब 5.45 पर इसकी जानकारी मिली थी। इसके बाद उसे सुधारने की कोशिश की गई लेकिन अगले पंद्रह घंटों तक यह समस्या बनी रही। इसके बाद एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने रात 9 बजे इस समस्या को सुलझाए जाने की घोषणा की थी। हालांकि, तब तक सैंकड़ों उड़ानों की आवाजाही प्रभावित रही।

आपको बता दें दिल्ली का इंदिरा गांधी इंटरनेशल एयरपोर्ट हर दिन करीब 1500 से ज्यादा फ्लाइट्स का संचालन करता है।

पर्यटन क्षेत्र में 1200 करोड़ की परियोजनाओं पर हुआ निजी निवेश : महाराज

– प्रदेश में बनेंगे नए पर्यटन डेस्टिनेशन

देहरादून। राज्य की 25 वर्षों की विकास यात्रा में पर्यटन विभाग की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही है। राज्य सरकार द्वारा पर्यटन क्षेत्र में अवस्थापना सुविधाओं एवं प्रदेश में तमाम पर्यटक सुविधाओं का लगातार विस्तार हुआ है। पर्यटन सेक्टर में निजी पूंजी निवेश को आकर्षित करने के लिए नई पर्यटन नीति 2023–30 लागू होने के बाद पर्यटन क्षेत्र में 1200 करोड़ की परियोजनाओं पर निजी निवेशकों ने कार्य प्रारंभ किया है। उक्त बात प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तराखंड की रजत

जयंती पर राज्य की विकास यात्रा में पर्यटन विभाग की भूमिका की जानकारी देते हुए भविष्य में किये जाने वाले कार्यों के विषय में भी सरकार के योजनाओं का खाका खींचा है। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के समय वर्ष 2000 में जहां राज्य में 110.79 लाख देशी और 56,766 लाख विदेशी पर्यटक उत्तराखंड आए वहीं वर्ष 2024 तक राज्य में 593.74 लाख देशी और 177 लाख विदेशी सहित कुल 596 लाख पर्यटक उत्तराखंड की धरती पर आए। वर्ष 2000 में जहां राज्य में विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा एवं हेमकुंड यात्रा पर 1619961 आये वहीं 2025 में 59 लाख श्रद्धालु और पर्यटकों का उत्तराखंड में आगमन हुआ है। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि 2013 में आई केदारनाथ त्रासदी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दिशा–निर्देशों राज्य सरकार ने केदारनाथ धाम में 225 करोड़ के पुनर्निर्माण कार्य करवाए हैं जबकि 191 करोड़ के कार्य अभी भी चल रहे हैं। इसी प्रकार बद्रीनाथ धाम को ष्स्मार्ट स्पिरिचुअल हिल टाउनष्के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा चरणबद्ध रूप से भारत सरकार के विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों से 273 करोड़ के सीएसआर फंड से कार्य करवाए जा रहे हैं।महाराज ने कहा कि राज्य में वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना के तहत पर्यटन व्यवसाय के लिए अधिकतम 33 लाख तक के अनुदान का प्रावधान किया गया है। दीन दयाल उपाध्याय गृह आवास विकास योजना के अंतर्गत अधिकतम 15 लाख के अनुदान का प्रावधान किया गया है।

ममदानी को मेयर पद से हटाने की तैयारी? ट्रंप की सहयोगी ने कर दिया बड़ा ऐलान

न्यूयार्क। जोहरान ममदानी ने अमेरिका में इतिहास रच दिया है। वह न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम और भारतीय मूल के मेयर बन गए हैं। लेकिन यह बात ट्रंप और उनके सहयोगियों को हजम नहीं हो रही है। इस बीच ट्रंप की समर्थक और रिपब्लिकन प्रतिनिधि एलिस स्टेफेनिक ने साल 2026 के गवर्नर पद के लिए उम्मीदवारी का ऐलान कर दिया है। वह न्यूयॉर्क की वर्तमान गवर्नर कैथी होचुल के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। माना जा रहा है कि स्टेनेफिक ने यह कदम इसलिए उठाया है ताकि न्यूयॉर्क की गवर्नर बनने के बाद वह ममदानी को मेयर पद से हटा सकें। बता दें कि होचुल ने ही ममदानी का खुलकर समर्थन किया था। होचुल और ममदानी की स्टेफेनिक कट्टर आलोचक हैं। ममदानी की जीत के बाद स्टेफेनिक ने होचुल को अमेरिका की सबसे खराब गवर्नर बताया था। साथ ही

न्यूयॉर्क को देश का मोस्ट अनअफोर्डेबल राज्य बताया। इतना ही नहीं, उन्होंने ममदानी के खिलाफ भी बयान देते हुए उन्हें एंटीसेमाइट, जिहादी और कम्यूनिस्ट बताया।

क्या ममदानी को हटाया जा सकता है

यदि स्टेफेनिक 2026 के चुनावों में होचुल को हराती हैं तो वह कम इस्तेमाल किए जाने वाले राज्यपालीय अधिकार का उपयोग करके मामदानि को हटा सकती हैं। न्यूयॉर्क राज्य के संविधान के तहत, राज्यपाल के पास मेयर और अन्य स्थानीय अधिकारियों को पद से हटाने का अधिकार है। अगर ऐसा होता है कि अमेरिका के सबसे बड़े शहर का शक्ति संतुलन बदल जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

दून को स्वच्छ और सुंदर बनाने में करें सहयोग

देहरादून। नगर आयुक्त नमामी बंसल ने शनिवार सुबह करीब सात बजे आराघर चौक, घंटाघर, दर्शनलाल चौक, ईसी रोड, आईटी पार्क रोड, चकराता रोड, सहस्त्रधारा रोड समेत विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों को व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। वहीं जो कर्मचारी ड्यूटी पर मौजूद नहीं थे, उनकी रजिस्टर में अनुपस्थिति दर्ज करने को कहा। उन्होंने कहा कि रजत जयंती समारोह से पूर्व शहर में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारी ने शहरवासियों से भी अपील की है कि दून को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सहयोग करें। इस दौरान सहायक नगर आयुक्त राजबीर सिंह चौहान मौजूद रहे।

अस्पताल में स्टेशनरी–बिस्तरों के टेंडर पर विवाद

देहरादून। दून मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में स्टेशनरी, कम्प्यूटर सह–उपकरण, सेनेटरी, कन्टीजेन्सी और वस्त्र–बिस्तर के टेंडर में नियमों और शर्तों में बार–बार बदलाव करने और अंतिम तारीख लगातार आगे बढ़ाने पर सवाल उठाए गए हैं। नौ फर्मों के संचालकों की ओर से प्राचार्य और उच्चाधिकारियों को शिकायत दर्ज कराई गई है। फर्म संचालकों का कहना है कि कि बार–बार अंतिम समय में बदलाव से टेंडर प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। कॉलेज स्तर पर कई शिकायतों पर सुनवाई नहीं हो रही है। उधर, कॉलेज से जुड़े एक अधिकारी ने कहा कि टेंडर प्रक्रिया पूरे नियम शर्तों के साथ की जा रही है।

नकरौंदा में मुफ्त शिविर में 139 की जांच

देहरादून। बालाजी फाउंडेशन की ओर से नकरौंदा में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। भट्ट क्लीनिक, निर्माण क्लासेस के सहयोग से कार्यालय बालाजी फाउंडेशन में हंस अस्पताल हरिद्वार के नेत्र रोग और ईएनटी रोग के विशेषज्ञों ने 139 मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया और दवाई दी गई।

शिविर का शुभारंभ पूर्व जिला पंचायत सदस्य हेमा पुरोहित, फाउंडेशन संस्थापक एवं समाज सेवी डॉ. नरेश प्रसाद भट्ट किया। भट्ट ने बताया कि 13 मरीज का मोतियाबिंद का ऑपरेशन होना है उन्हें फाउंडेशन के वाहन से हंस अस्पताल हरिद्वार निशुल्क ले जाया गया। इस दौरान संगीता नेगी, विमल बेलवाल, कृष्ण तोमर, पंडित धर्मानंद पोखरियाल, विजय मिश्रा, अखिलेश्वर प्रसाद जोशी, देब सिंह नेगी, पंडित जयदेव बहुगुणा, फाउंडेशन कोषाध्यक्ष पुष्पा गैरोला, उपाध्यक्ष कविता उनियाल, सचिव आशा गैरोला आदि मौजूद रहे।

दून विवि में रजत जयंती पर लोक व शास्त्रीय नृत्य कार्यशाला

देहरादून। दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल ने कहा कि लोक और शास्त्रीय नृत्य हमारी सांस्कृतिक जड़ों का जीवंत प्रतीक हैं। ऐसे आयोजन छात्रों को न केवल सांस्कृतिक चेतना से जोड़ते हैं बल्कि उनकी सृजनात्मकता और अभिव्यक्ति क्षमता को भी समृद्ध करते हैं। उत्तराखंड की रजत जयंती के अवसर पर दून विश्वविद्यालय के थिएटर व संस्कृति विभाग ने लोक नृत्य व शास्त्रीय नृत्य पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया है। आईक्यूएसी निदेशक प्रो. एचसी पुरोहित ने कहा कि यह कार्यशाला नृत्य के माध्यम से अभिव्यक्ति की विविधता को सिखाने का एक उत्कृष्ट प्रयास है। शास्त्रीय नृत्य प्रशिक्षण का संचालन शिवानी मिश्रा, निदेशक शिवोहम प्रोडक्शन, प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना और कोरियोग्राफर ने किया। उनके साथ सौरभ त्रिपाठी और सह–प्रशिक्षक सृष्टि तिवारी के रूप में सहयोग देंगे।

थापला की रामलीला मंचन देखने दर्शकों की उमड़ रही भीड़

उत्तराखंड की प्रसिद्ध अभिनेत्री कोमल राणा नेगी के सुपर्णखा के अभिनय को दर्शकों ने जमकर सराहा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल की पट्टी मनियारस्यूं के अंतर्गत ग्राम थापला में शुक्रवार को आयोजित रामलीला मंचन के चतुर्थ दिवस सुपर्णखा का नासिका छेदन का मंचन दृश्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। बता दें कि गत दो वर्षों से सुपर्णखा के किरदार का अभिनय मेहमान कलाकार के तौर पर उत्तराखंड की प्रसिद्ध अभिनेत्री एवं दिल्ली एनसीआर में गुगति लोक कला सांस्कृतिक मंच की निर्देशिका कोमल राणा नेगी कर रही है।

सुपर्णखा का बेहतरीन अभिनय को देखने चतुर्थ दिवस दूर-दराज के गांवों से भारी संख्या में दर्शक रामलीला मंचन देखने थापला गांव पहुंचे। रामलीला मंचन का शुभारंभ थापला निवासी धर्मानंद थपलियाल ने किया। कहा कि रामलीला मंचन के रूप में गांव की यह धार्मिक विरासत को नई पीढ़ी बखूबी आगे बढ़ा रही। उन्होंने श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारने को कहा। रामलीला समिति ने रामलीला देखने आए विभिन्न गांवों की महिला मंगल दलों की सदस्यों, ग्राम प्रधानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं को श्रीराम का पटका पहनाकर और अयोध्या राम मंदिर में विस्थापित श्रीराम लल्ला की प्रतिमा देकर सम्मानित किया। महिला मंगल दल अध्यक्ष घंडियाल श्रीमती गायत्री देवी पटवाल ने रामलीला समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए आदर्श हैं।

उन्होंने त्याग, मर्यादा, धर्म और सत्य के मार्ग पर चलकर समाज को आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा दी है। वहीं, भगवान राम के चरित्र से हमें कठिन परिस्थितियों में भी धर्म और कर्तव्य का पालन करने की सीख मिलती है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एक दूसरे को जोड़ने का काम करते हैं तथा सामाजिक समरसता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समिति के मुख्य संयोजक संजय असवाल ने बताया कि उन्हें अपनी माटी थाती और अपनी संस्कृति से बहुत स्नेह है। राम की भूमिका में विनोद नैथानी, लक्ष्मण संजय असवाल, भरत अनिल नैथानी, शत्रुघन दीपक बिष्ट, मथुरा का अभिनय सुदेश नैथानी ने किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान बेडगांव प्रमोद रावत, ग्राम प्रधान देवल नरेंद्र सिंह रावत, समाजसेवी आरपी नैथानी, कर्मवीर सिंह रावत, आशु रावत, सामाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी, रामलीला समिति के अध्यक्ष गिरीश बिष्ट, महामंत्री शिवनारायण सिंह, सचिव अमन रावत, महिला मंगल दल अध्यक्ष श्रीमती आशा कुकरेती आदि मौजूद रहे। मंच का संचालन दलवीर सिंह रावत ने किया।

उत्तराखंड को विशेष राज्य का दर्जा एवं ग्रीन बोनस का लाभ मिले : महेश जोशी

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव महेश जोशी ने कहा कि लंबे संघर्षों एवं शहादतों से उत्तराखंड का निर्माण हुआ । राज्य निर्माण की पच्चीसवीं वर्षगांठ रजत जयंती समारोह हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं। राज्य निर्माण की मूल भावना स्वास्थ्य शिक्षा रोजगार एवं पलायन थे। पच्चीस वर्ष के युवा राज्य विकास के पथ पर अग्रसर है लेकिन हमें प्रगतिशील उन्नतिशील समृद्ध राज्य की परिकल्पना को साकार करना है जिसका रोड मैप तैयार कर विकास पथ पर अग्रसर होना है। विकास की गंगा पहाड़ से मैदान की तरफ बहनी चाहिए। उत्तराखंड संवेदनशील पर्यावरण को लेकर जागरूक राज्य है जिसमें विकास कार्यों में कई बाधाएं आती हैं। भौगोलिक बनावट संवेदनशील क्षेत्र होने की वजह से आपदाओं से त्रस्त सीमांत क्षेत्र है। इस वर्ष आपदाओं से राज्य में काफी तबाही हुई है जिसकी क्षति पूर्ति में समय लगेगा।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश वासियों को दी राज्य की रजत जयंती की शुभकामनाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को राज्य की रजत जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने राज्य निर्माण के सभी अमर शहीदों, राज्य आंदोलनकारियों एवं देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उत्तराखण्ड की मजबूत नींव रखने वाले पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई को भी राज्य की जनता की ओर से नमन किया है। मुख्यमंत्री ने सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर एवं विकसित उत्तराखण्ड़ के निर्माण में सहयोगी बनने की भी प्रदेशवासियों से अपेक्षा की है।

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि राज्य के गठन से लेकर आज तक की इन 25 वर्षों की सफल विकास यात्रा में उत्तराखण्ड ने अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचा, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक संरक्षण जैसे क्षेत्रों में ऐतिहासिक प्रगति की है। 25 वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार 26 गुना, प्रति व्यक्ति आय 18 गुना और बजट 20 गुना से अधिक बढ़ा है। समान नागरिक संहिता लागू करने वाला पहला राज्य बनकर उत्तराखण्ड ने फिर एक बार अपनी विशेष भूमिका को रेखांकित किया है। राज्य की मातृ शक्ति, युवा शक्ति, राज्य आंदोलनकारी, पूर्व सैनिक और प्रवासी उत्तराखण्डियों की भागीदारी से एक शक्तिशाली और आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य को इस रजत जयंती वर्ष में 38वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन का गौरव प्राप्त हुआ। इन राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखण्ड़ ने 103 पदक प्राप्त कर नया रिकॉर्ड बनाया है। कहा कि इन 25 वर्षों में राज्य ने कई उपलब्धियां प्राप्त की हैं, किन्तु अभी हमें बहुत आगे जाना है तथा देवभूमि उत्तराखण्ड को एक प्रगतिशील, उन्नत एवं हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाना है। इस महान उद्देश्य की प्राप्ति जनसहयोग से ही संभव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन सेवा, सुशासन, संवेदनशीलता और गरीब कल्याण हमारा ध्येय है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पौखाल के उच्चीकरण की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दुगड्डा ब्लॉक के पौखाल बाजार में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पौखाल के उच्चीकरण की मांग को लेकर स्थानीय लोगों ने शनिवार को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। इस मौके पर विकास तोमर ने कहा कि जनहित में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उच्चीकरण किया जाना जरूरी है। अस्पताल में एक्सरे, खून की जांच, अल्ट्रासाउंड, आंखों की जांच आदि की व्यवस्था होनी चाहिए। यूकेडी जिलाध्यक्ष कोटद्वार मुकेश बड़थ्वाल ने कहा कि पहाड़ों में जर्जर स्वास्थ व्यवस्था के कारण बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को गंभीर समस्याओं के लिए कोटद्वार बेस हॉस्पिटल में जाना पड़ता है और मेजर प्रॉब्लम होने पर वहां से भी रैफर कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि पौखाल बाजार में पार्किंग और सार्वजनिक शौचालय, गौशाला की व्यवस्था होनी चाहिए। प्रदर्शन करने वालों में पीतांबर दत्त तोमर, राम प्रसाद डोबरियाल, बलबीर सिंह, आनंदमणि, शकील अहमद, प्रदीप असवाल, सुरेश, सोम डबराल, बब्बू, चंडी प्रसाद, कमला देवी, परमेश्वरी देवी, सीमा देवी, चंद्रकला देवी, दिक्कू देवी, मेघा देवी, लक्ष्मी देवी, पुष्पा देवी, हिमानी देवी आदि मौजूद रहे।

किशोरी किट व मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट बांटी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शनिवार को नकोट देहलचौरी में उत्तराखंड राज्य स्थापना के रजत जयंती के अवसर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती अंजू चमोली, मुख्य अतिथि पार्षद संदीप, सामाजिक कार्यकर्ता विक्रम सिंह, प्रगतिशील मंच की अध्यक्ष श्रीमती शशि भट्ट ने किशोरियों को किशोरी किट व महिलाओं को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट वितरित की। इस अवसर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती अंजू चमोली ने बालिकाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता व पोषण की जानकारी दी।

वहीं बाल विकास विभाग के कल्जीखाल कार्यालय में राज्य स्थापना के रजत जयंती के अवसर पर बाल विकास परियोजना खंड कल्जीखाल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख गीता देवी ने गर्भवती महिलाओं और किशोरियों को महालक्ष्मी किट वितरित की। प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी सुनीता तोपाल ने बाल विकास विभाग की महिलाओं से संबंधित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। वहीं वन स्टॉप सेंटर सदस्य अधिवक्ता अमृता रावत ने घरेलू हिंसा, महिला जागरूकता, सुरक्षा पर विधिक सेवाओं एवं वन स्टॉप सेंटर के तहत मिलने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता की जानकारी दी। इस अवसर पर ज्येष्ठ प्रमुख संजय पटवाल, कनिष्ठ प्रमुख दीपक असवाल, सुपरवाइजर श्रीमती माया राणा, कनिष्ठ सहायक महराज सिंह रावत, एएनएम भारती नेगी आदि मौजूद थी।

बिटिया के बिना जीवन अधूरा : प्राचार्य योगेन्द्र

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राज्य स्थापना के रजत जयंती समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत अफसर बिटिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह व बाल विकास विभाग के अधिकारियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस मौके पर ब्लॉक समन्वयक अधिकारी ज्योति ठाकुर ने अपने जीवन की उपलब्धियों को बताते हुए छात्रों को भी आगे बढ़ने के लिये प्रेरित किया। युवा कल्याण विभाग की क्रीड़ा प्रशिक्षिका रोशनी रावत ने शिक्षा के साथ खेल को भी अपने जीवन में अपनाने का सुझाव दिया। वहीं स्वास्थ्य विभाग से ममता जोशी ने स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखने को कहा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह ने कहा कि बिटिया ही जीवन प्रदान करती है, बिटिया के बिना जीवन अधूरा है। इस मौके पर वन विभाग से मधु ढौंडियाल, पुलिस विभाग से अमित नेगी, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र सिंह आदि मौजूद थे।

मोरी के बलावट गांव में हाई वोल्टेज बिजली से लाखों के उपकरण जले

उत्तरकाशी। विकास खण्ड के हिमाचल प्रदेश से सटे आराकोट क्षेत्र के बलावट गांव में हाई वोल्टेज बिजली से लोगों के लाखों के उपकरण फूंक गये। जिससे लोगों को लाखों का नुकसान पहुंचा है। बलावट गांव निवासी प्रमोद सिंह रावत ने बताया कि शुक्रवार को विद्युत वोल्टेज कम जादा आ रहा था।

अचानक हाई वोल्टेज होने से घर में लगे गिजर, मिक्सी, इन्डेक्शन, वाशिंग मशीन आदि उपकरण फूंक गये हैं। जिनके फूंकने से लाखों का नुकसान हुआ है। वहीं प्रमोद सिंह रावत ने 1912 पर फोन कर शिकायत दर्ज कराई। प्रमोद ने बताया कि वैसे तो बिजली की आपूर्ति नियमित रूप से नहीं होती है, जब कभी आ जाये तो कम ज्यादा वोल्टेज से परेशान हैं। विद्युत विभाग की लापरवाही से हाई वोल्टेज से लाखों का नुकसान हुआ है।

सामान्य ज्ञान क्विज में कृष्णा, सोनिका, रोशनी ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जनता इंटर कॉलेज चैड चैनपुर में सामान्य ज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में उत्तराखंड से संबंधित विषयों के साथ-साथ देश एवं विदेश के भूगोल, इतिहास, कला-संस्कृति तथा खेल से जुड़े प्रश्न शामिल किए गए। विद्यार्थियों ने उत्साह और रुचि के साथ प्रतियोगिता में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में कृष्णा कंडारी कक्षा 12 प्रथम, सोनिका कंडारी कक्षा 10 द्वितीय, रोशनी कक्षा 11 तृतीय स्थान पर रही। इन तीनों छात्राओं का चयन ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। यह छात्राएं ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगें। विद्यालय के प्रधानाचार्य धनपाल सिंह रावत ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने चयनित छात्राओं को ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता का संचालन शिक्षक प्रियव्रत सिंह कंडारी के निर्देशन में किया गया।

बैकुंठ चतुर्दशी मेलाः इंडियन आइडल फेम सवाई भाट के गीतों पर झूमे लोग

श्रीनगर गढ़वाल : बैकुंठ चतुर्दशी मेले की चौथी संध्या पर शुक्रवार रात्रि को आवास विकास मैदान में इंडियन आइडल के फेम गायक सवाई भाट ने भजनों और बॉलीवुड गीतों की शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनमोहा। सवाई भाट ने केसरिया बालम पधारो म्हारे देश गाया तो पूरा पांडाल लोकसंगीत की सुगंध से भर गया। इसके बाद उन्होंने तेरे बिन नहीं जीना ढोलना.., मेरे रश्के कमर, तेरी पहली नज़र.. जैसे लोकप्रिय गीतों के साथ-साथ भक्ति भाव से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति दी। दर्शक देर रात तक उनकी गायकी का आनंद उठाते रहे और तालियों की गूंज से पूरा मैदान गुंजायमान हो उठा। गायक सवाई भाट ने कहा कि गढ़वाल की धरती बेहद पवित्र और सुंदर है। यहां गाना मेरे लिए गर्व की बात है। इससे पूर्व उत्तरकाशी के प्रसिद्ध पंचतत्व बैंड ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों और श्रोताओं का दिल जीता। पंचतत्व बैंड के कलाकारों ने गढ़वाली और कुमाऊंनी गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर किया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद गायक अनुराग नोटियाल, अरविंद चौहान और विकास पंचोला ने 'ताछुमा ताछुमा छुमा.., 'ज्ञानसू लग्यूं घुनडुं बाँधियों राँसु नरु-बिजोला.., सिल्की बांद.., चैत की चैत्वाली.., सीमा पानी सी.., तेरी माया मां.. लोकप्रिय गीतों से माहौल को संगीतमय बना दिया। बैंड के साथ टीम प्रबंधक तरुण बिजल्वाण, कीपैड पर रोहित व सोमेश, तबले पर शंकर, ढोलक पर अरुण, अन्य वाद्य यंत्रों पर ऋषभ, सतेंद्र, ईशान और कन्हैया ने बेहतरीन जुगलबंदी पेश की। मेयर आरती भंडारी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मेले में आगामी भव्य कार्यक्रम होने जा रहे हैं। हर वर्ग की रुचि को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम रखे गए हैं। सांस्कृतिक संध्या में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि मेले हमारी संस्कृति और परंपराओं के द्योतक हैं। इन आयोजनों से समाज में एकता, भाईचारे और लोकसंस्कृति के प्रति सम्मान की भावना मजबूत होती है।

विधायक कंडारी ने कहा कि बैकुण्ठ चतुर्दशी मेला लगातार नई पहचान बना रहा है, जो श्रीनगर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का कार्य कर रहा है। उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए नगर निगम और स्थानीय नागरिकों की सराहना की।

दून में फिर चलने लगी घंटाघर की धड़कन

देहरादून। देहरादून की धड़कन कहे जाने वाले घंटाघर घर की घड़ी फिर चलने लगी है। घड़ी को ठीक करने के लिए चेन्नई से विशेषज्ञ बुलाए गए। जानकारी के अनुसार सुनील कुमार बांगा समेत अन्य व्यापारियों ने घंटाघर की घड़ी की सुइयां रुकने और गलत टाइम बताने की शिकायत डीएम सविन बंसल से की थी। डीएम सविन बंसल ने शिकायत का संज्ञान लेकर अधीनस्थों से रिपोर्ट मांगी थी। अधिकारियों ने डीएम को बताया कि घंटाघर की घड़ियां में तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं। ऐसे में डीएम ने घंटाघर की घड़ी ठीक करने के लिए धनराशि जारी की और इस काम के लिए चेन्नई की विशेषज्ञ फर्म को चुना गया, जिससे अब घंटाघर की धड़कने चलने लगी है।

25साल बाद भी पहाड़–मैदान करने वालों की सोच संर्कीणः निशंक

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि उत्तराखंड ने 25 साल के सफर में संघर्ष, सेवा और विकास में अद्भुत संतुलन स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि जो लोग 25 साल बाद भी पहाड़ मैदान की बात कर रहे हैं, उनकी सोच संर्कीण है। क्योंकि बिना हरिद्वार और उधमसिंहनगर के उत्तराखंड की परिकल्पना नहीं की जा सकती है।

डॉ. निशंक ने कहा कि उत्तराखंड राज्य लंबे संघर्ष के बाद बना है। हरिद्वार और उधमसिंहनगर इस पर्वतीय राज्य की विवधता को पूरिपर्ण करते हैं। हरिद्वार के बिना देवभूमि हो ही नहीं सकती है। लेकिन आज जो लोग पहाड़–मैदान, गढ़वाल–कुमाऊं, ब्राह्मण–ठाकुर की बात कर रहे हैं, वह इस राज्य के हितैषी नहीं हैं। क्योंकि आज समग्र उत्तराखंड की बात होनी चाहिए। हिमालय की गोद में बसे उत्तराखंड की सीमाएं चीन, तिब्बत और नेपाल से लगती हैं, यहां मजबूत सड़क, रेल, संचार और ऊर्जा नेटवर्क राष्ट्र की सुरक्षा और स्थिरता से जुड़ा विषय है। उत्तराखंड की लोक संस्कृति, परंपरा और जन–आस्था हमारी सामूहिक शक्ति का केंद्र हैं। हिमालय के गांव केवल सीमाओं के प्रहरी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय एकता के सजीव प्रतीक हैं। उत्तराखंड की 25 वर्ष की यात्रा शौर्य, परंपरा और प्रगति का संगम है।

उच्च शिक्षा से वंचित नहीं रहेंगे प्रदेश के युवा

– डिजिटल गर्वनेंस और रोजगार के अवसरों का हुआ सृजन
– प्रतिष्ठित संस्थानों के जरिये युवाओं को दिया जा रहा प्रशिक्षण

देहरादून। राज्य गठन के बाद उत्तराखंड में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। सरकार के निरंतर प्रयासों से आज प्रत्येक विधानसभा और तहसील स्तर पर उच्च शिक्षण संस्थान स्थापित हो चुके हैं, जिससे प्रदेश के युवाओं के लिए शिक्षा के नए द्वार खुले हैं। बीते 25 वर्षों में उच्च शिक्षा को डिग्री तक सीमित न रखकर इसे रोजगार, उद्यमिता और नवाचार से जोड़ा गया है। परिणामस्वरूप, प्रदेश के युवाओं को न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है, बल्कि वे अपने सपनों को भी साकार कर रहे हैं।

ज्ञान के प्रकाश का हुआ विस्तारः– राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा को सर्वसुलभ कराने के सतत और सकारात्मक प्रयास किये हैं। यही वजह है कि राज्य स्थापना के समय प्रदेश में जहां 03 राज्य विश्वविद्यालय और 31 शासकीय महाविद्यालय अस्तित्व में थे। वर्तमान में राज्य में 05 राज्य विश्वविद्यालयों सहित कुल 11 राजकीय विश्वविद्यालय तथा 118 महाविद्यालय संचालित किया जा रहे हैं। इसके अलावा 31 निजी विश्वविद्यालय व 238 निजी महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं।

छात्र संख्या बढ़ी तो जीईआर में भी हुई वृद्धि :– राज्य सरकार की ठोस नितियों से विगत 25 वर्षों में राज्य में उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्र–छात्राओं की संख्या में खास इजाफा हुआ है। राज्य गठन के समय उच्च शिक्षा हासिल करने वाले छात्रों की संख्या लगभग 01 लाख थी जो वर्तमान में बढ़कर 5 लाख हो चुकी है। राजकीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय परिसरों में अध्ययनरत 2.54 लाख छात्रों में से 1.53 लाख छात्राएं अध्ययनरत है जोकि कुल छात्र संख्या के 60 फीसदी से अधिक है। यानि उच्च शिक्षा ग्रहण करने में बालिकाएं भी पीछे नहीं हैं। सकल नामांकन अनुपात की बात करें तो राज्य गठन पर यह अनुपात 31.1 प्रतिशत था जो बढ़कर 41.8 प्रतिशत हो चुका है। जो राष्ट्रीय अनुपात से अधिक है।

संसाधन सम्पन्न हुये उच्च शिक्षण संस्थान :– राज्य सरकार ने विगत 25 वर्षों में युवाओं को गुणात्मक उच्च शिक्षा सुलभ कराने के दृष्टिगत आधारभूत सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया। जिसके चलते 118 महाविद्यालयों में 98 महाविद्यालयों के अपने भवन हैं जबकि शेष के निर्माणाधीन हैं। छात्रों को 40 छात्रावास की भी सुविधाएं सुलभ की है, जिसमें से 29 महिला छात्रावास हैं। भारत सरकार के पीएम उषा योजना के तहत रूपये 100 करोड़ के अनुदान से कुमाऊं विश्वविद्यालय को मेरू (मल्टी डिस्पिलीनरी एजुकेशन रिसर्च यूनिवर्सिटी) के रूप में विकसित किया जा रहा है।

कार्मिकों की कमी हुई दूर :– उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्मिकों की कमी दूर की गई। वर्ष 2000 में शासकीय महाविद्यालयों में शिक्षकों के कुल 918 तथा शिक्षणेत्तर कार्मिकों कुल 795 पद सृजित थे। वर्तमान में प्राचार्यों एवं शिक्षकों के कुल 2351 तथा शिक्षणेत्तर कार्मिकों के 1036 पद सृजित हैं। f

चिन्यालीसौड़ में राज्य आंदोलनकारियों का सम्मान किया

उत्तरकाशी। शनिवार को विकासखंड सभागार में तहसील प्रशासन और ब्लॉक प्रमुख रणबीर सिंह ने आन्दोलनकारियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। विकासखंड सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में शामिल बतौर मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख रणबीर सिंह ने कहा कि राज्यआन्दोलनकारियों के बलिदान और संघर्ष के फलस्वरुप हमें उत्तराखंड राज्य मिला और उत्तराखंड निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। राज्य आन्दोलनकारियों का सम्मान हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष मनोज कोहली ने कहा कि उत्तराखंड राज्य में सरकार विकास कार्य कर रही है और भ्रष्टाचारियों और नकल माफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आन्दोलनकारियों की मांग पर नगरपालिका क्षेत्र में शहीद स्मारक बनाने का आश्वासन दिया। सम्मान समारोह में तहसीलदार अर्पिता गरखाल, बीडीओ प्रकाश पंवार, अमन बिष्ट, प्रताप चौहान, सामाजिक कार्यकर्ता सुमन बडोनी, खीमानंद विजल्वाण, कोमल राणा, प्रवेश जगूडी आदि दर्जनों आन्दोलनकारी मौजूद थे।

युवा विधानसभा संवाद कार्यक्रम में उठा पलायन का मुद्दा

देहरादून, उत्तराखंड स्थापना की रजत जयंती समारोह के उपलक्ष्य में शनिवार को डीडी कॉलेज देहरादून में विधि विभाग के विधिक सहायता एवं जागरूकता प्रकोष्ठ की ओर से युवा विधानसभा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें पलायन विषय पर छात्रों ने अपने विचार रखे। आयोजन के मुख्यअतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री महावीर सिंह रांगड़, विशिष्ट अतिथि चंदन सिंह रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ किया गया। लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ प्रवीण कुमार राठी ने सभी का स्वागत किया। संस्थान के चेयरमैन जितेंद्र यादव ने मुख्यअतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ ज्योत्सना रमोला ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के पहले सत्र में छात्र दीक्षांत गैरोला, कुमारी माही, समर्थ सेन, गणेश आदि छात्रों ने उतराखंड के गठन, चुनौतियों और उपलब्धियों पर छात्रों ने अपने विचार रखे। विशिष्ट अतिथि चंदन सिंह ने आंदोलन के दौरान रचे गीतों को गाकर आंदोलन का सजीव चित्र प्रस्तुत किया। दूसरे सत्र में यूथ विधानसभा सत्र का आरंभ व स्थगन का आयोजन किया गया।

संवाद के दौरान दोनों पक्षों के सदस्यों के बीच उत्तराखंड से पलायन विषय पर जोरदार बहस हुई। इस दौरान विधि प्रोफेसर मयंक बंगारी, एसिसटेंट प्रोफेसर महेश्वर नारायण जोशी, गोपिका यादव, वैदेही नेगी, सुरभि सिंह, शिल्पा तनेजा,नंदिता दास आदि मौजूद रहे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

स्लोगन में राघव और ऐपण में स्नेहा ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : राजकीय महाविद्यालय में सांस्कृतिक समिति द्वारा स्लोगन, ऐपण और पोस्टर स्केचिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। स्लोगन प्रतियोगिता में राघव माहेश्वरी ने पहला, स्नेहा ने दूसरा और कल्पना बिष्ट ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं ऐपण प्रतियोगिता में स्नेहा पहला स्थान प्राप्त किया। पोस्टर स्केचिंग प्रतियोगिता में राघव माहेश्वरी पहले, संतोष कुमार दूसरे और स्नेहा तीसरे स्थान पर रहे। इस मौके पर प्राचार्य डा. संजय कुमार, डा. संदीप कुमार, विपिन चन्द्र, डा. वीर सिंह, डा. एचके सेमवाल, योगा शिक्षिका विजया पंवार, डा. दीप्ति माहेश्वरी आदि मौजूद रहे।

धुमाकोट में डॉक्टर, नैनीडांडा में फार्मासिस्ट नदारद

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. एसएम शुक्ला ने शनिवार को धुमाकोट और नैनीडांडा अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धुमाकोट में तैनात बॉडधारी चिकित्सक अनुपस्थित पाए गए। वहीं नैनीडांडा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी एक फार्मासिस्ट भी नदारद मिला। निरीक्षण में धुमाकोट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात बॉडधारी चिकित्सक करीब डेढ़ माह से अनुपस्थित पाए गए। सीएमओ ने बताया कि चिकित्सकों को अधिकतम 14 दिन का अवकाश स्वीकृत किया जा सकता है, ऐसे में संबंधित डॉक्टर के विरुद्ध नोटिस जारी किया जाएगा। वहीं नैनीडांडा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण में एक फार्मासिस्ट भी नदारद मिला। इस पर सीएमओ ने उसका वेतन आहरण रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सीएचसी का प्रभार महिला चिकित्सक डॉ. गरिमा को सौंपा गया है और स्टाफ को मरीजों की सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने यह भी पाया कि उपकेंद्र शंकरपुर का विभागीय भवन तैयार होने के बावजूद अब तक हैंडओवर नहीं हुआ है और उपकेंद्र अभी भी किराए के भवन में संचालित हो रहा है। उन्होंने इस मामले में विभागीय जेई से पत्रावली तलब करने और डीजी स्वास्थ्य से पत्राचार करने के निर्देश दिए

गढ़वाल विवि को जल्द मिलेगा अपना कुलगीत

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के कुलगीत निर्माण की प्रक्रिया अंतिम चरणों पर है। जल्द ही गढ़वाल विवि को अपना कुलगीत मिलने वाला है। कुलगीत निर्माण को लेकर बनाई गई समिति के संयोजक एवं डीन रिक्रियूमेंट प्रो. मोहन सिंह पंवार की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें कुलगीत के प्रारूप पर विस्तृत चर्चा की गई। इस मौके पर प्रो. मोहन सिंह पंवार ने बताया कि समिति के सभी सदस्यों द्वारा विचार-विमर्श के उपरांत कुलगीत के शब्द तथा भाव-धारा को लगभग निर्धारित कर लिया गया है। कहा कि कुलगीत का प्रारूप विश्वविद्यालय की गौरवमयी परंपरा, शैक्षणिक मूल्यों एवं हिमालयी सांस्कृतिक विरासत को ससम्मान अभिव्यक्त करता है। बहुत शीघ्र ही इसकी ऑडियो रिकॉर्डिंग प्रक्रिया औपचारिक रूप से प्रारंभ कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कुलगीत को पूरी तरह लिपिबद्ध कर लिया गया है तथा लेखन संबंधी सभी चरण पूर्ण हो चुके हैं। गीत का साहित्यिक रूप संयमित, प्रेरणादायी और विश्वविद्यालय की पहचान के अनुरूप तैयार किया गया है। समिति के संगीत विशेषज्ञ एवं लोक कला संस्कृति निष्पादन केंद्र के उपनिदेशक डॉ. संजय पांडे ने कुलगीत को भाव अनुरूप धुन बद्ध कर दिया है।

सांस्कृतिक और विकास राज्य स्तरीय मेला आज से

उत्तरकाशी। यमुनाघाटी सांस्कृतिक और विकास राज्य स्तरीय मेला का शुभारंभ रविवार को उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पर होगा। जिसकी तैयारियां समिति की ओर से पूरी कर ली गई हैं। सांस्कृतिक और विकास मेला डामटा के सूरत सिंह मैदान में होगा। मेले में सांस्कृतिक गतिविधियों के अलावा खेलकूद प्रतियोगिता और सामाजिक धार्मिक गतिविधियों का भी आगाज होगा। मालूम हो कि नौगांव विकासखण्ड के डामटा के अंतर्गत सांस्कृतिक और विकास मेला पिछले 22 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। जिसमें यमुना घाटी, जौनसार, बावर, गोडर सहित समूचे रंवाई घाटी के कलाकार और खिलाड़ी प्रतिभाग करतें हैं। प्रतियोगिता में कबड्डी की प्रथम विजेता टीम को 71 हजार रूपये और उप विजेता टीम को 35 हजार नगद दिया जायेगा।

संघर्ष से साकार हुआ उत्तराखण्डः आज विकास की नई राह पर : पोरी

रजत जयंती पर आठ तहसीलों में आंदोलनकारियों को मिला सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती के पूर्व अवसर पर जनपद की सभी तहसील मुख्यालयों पर राज्य आंदोलनकारी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर राज्य आंदोलन में योगदान देने वाले आंदोलनकारियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बीआर मॉडर्न विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया तथा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को भावनात्मक रंग दिया।

जिला/तहसील मुख्यालय पौड़ी में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी, जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने शहीद राज्य आंदोलनकारियों के चित्रों पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में उपस्थित राज्य आंदोलनकारियों को संबोधित करते हुए विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य का निर्माण आंदोलनकारियों के अथक संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। जिन सपनों के लिए उन्होंने आंदोलन किया, उस राज्य को आगे बढ़ते देखना हम सबके लिए गर्व का विषय है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि उनके आदर्शों के अनुरूप एक समृद्ध, आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड का निर्माण करें। नगर पालिका अध्यक्ष हिमानी नेगी ने कहा कि उत्तरखण्ड राज्य आंदोलन हमारे साहसी आंदोलनकारियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है। कहा कि आज का यह सम्मान समारोह उनके प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है, जिनकी बदौलत हमें अपनी अलग पहचान मिली। ब्लॉक प्रमुख पौड़ी अस्मिता नेगी ने कहा कि आज का दिन उन वीर आंदोलनकारियों को याद करने का दिन है जिनकी बदौलत हमें अपना राज्य मिला। इस राज्य की स्थापना का उद्देश्य यही था कि यहां का पानी और जवानी यहां के काम आए। जिलाधिकारी ने राज्य आंदोलनकारियों को नमन करते हुए कहा कि रजत जयंती का यह उत्सव उनके त्याग और संघर्ष को समर्पित है। उन्हीं की बदौलत आज यह राज्य अपनी पहचान और प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि विकास की दिशा नीचे से ऊपर की ओर होनी चाहिए, जिसमें जनता की भागीदारी और प्रशासन का समन्वय अनिवार्य है। राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर हमारा दायित्व है कि आंदोलनकारियों के सपनों का उत्तराखंड बनाएं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुशासन में अग्रणी हो। जिलाधिकारी ने सभी से आग्रह किया कि मिलकर जिले के सर्वांगीण विकास में अपना सहयोग दें, क्योंकि आंदोलनकारियों का संघर्ष ही हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा है। इस अवसर पर संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, तहसीलदार दीवान सिंह राणा, जिला शिक्षाधिकारी माध्यमिक रणजीत सिंह नेगी, नगर पालिकाध्यक्ष हिमानी नेगी, अधिकारी-कर्मचारी, राज्य आंदोलनकारी, जनप्रतिनिधि और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

युवा आंदोलन की भावना को आत्मसात कर राज्य के विकास में योगदान दें

राज्य आंदोलनकारियों विश्वम्बर दत्त खंकरियाल, सुषमा रावत, बीरा भंडारी, रेवती नंदन डंगवाल, सरिता नेगी, अद्वैत बहुगुणा, महेंद्र असवाल, सावित्री नेगी, प्रेम बल्लभ पंत एवं कुंजिका प्रसाद उनियाल ने अपने संबोधन में राज्य आंदोलन के संघर्ष, बलिदान और जनभावनाओं को भावपूर्ण शब्दों में साझा किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य हमारे त्याग, एकता और अटूट संकल्प की अमर गाथा है। वक्ताओं ने नयी पीढ़ी से आह्वान किया कि वे आंदोलन की भावना को आत्मसात कर राज्य के विकास में सक्रिय योगदान दें।

फर्राटा दौड़ में नूर अहमद और साधवी रहे अव्वल

श्रीनगर गढ़वाल : बैकुण्ठ चतुर्दशी मेला एवं विकास प्रदर्शनी के पांचवें दिन शनिवार को एनआईटी खेल मैदान में विद्यालय स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई।

प्रतियोगिता में एक दर्जन से अधिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जूनियर वर्ग की आयोजित फर्राटा दौड़ में जीआईसी श्रीनगर के नूर अहमद और रेनबो स्कूल की साधवी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 800 मीटर दौड़ में सेंट थेरेसॉस की अनुष्का असवाल और शैमफार्ड स्कूल के आयुष रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर दौड़ में आइरिस स्कूल की अदिति कंडारी, सेंट थेरेसॉस स्कूल के भार्गव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

200 मीटर दौड़ में रेनबो स्कूल की माधवी और सेंट थेरेसॉस के भार्गव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रिले रेस में रेनबो स्कूल और सेंट थेरेसॉस स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

धूमधाम से मनाई उत्तराखंड स्थापना दिवस की रजत जयंती

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नवयुग पब्लिक स्कूल कोटद्वार में उत्तराखंड स्थापना दिवस की रजत जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। पूरा विद्यालय परिसर उत्तराखंड की समृद्ध लोकसंस्कृति और परंपराओं की झलक से सराबोर दिखाई दिया। कक्षाओं, ग्रीन बोर्डों और दीवारों को राज्य की कला, संस्कृति, लोकनृत्य और प्राकृतिक सौंदर्य दर्शाने वाले मनमोहक चित्रों से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण उत्तराखंडी रंग में रंग उठा।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने निबंध लेखन, उत्तराखंड सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, भाषण प्रतियोगिता, लोकनृत्य प्रदर्शन, पहाड़ी परिधान फैन्सी ड्रेस शो, पारंपरिक व्यंजनों से युक्त टिफिन प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चों ने अपनी प्रतिभा और सृजनशीलता से सबका मन मोह लिया। प्रधानाचार्य नीलम नेगी ने कहा कि उत्तराखंड हमारी संस्कृति, साहस और सरलता का प्रतीक है। इस भूमि की परंपराएं हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखने का संदेश देती हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को उत्तराखंड की लोककला, लोकसंगीत और साहित्य के संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की प्रशासक अर्पिता नेगी ने विद्यार्थियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में सांस्कृतिक चेतना और प्रदेश के प्रति गर्व की भावना को जागृत करते हैं। मंच का संचालन शिक्षिका पूनम गौनियाल ने गढ़वाली एवं कुमाऊंनी भाषा में किया गया।

विद्यार्थियों को संस्कृति से जुड़ने और नशा मुक्त उत्तराखण्ड बनाने के लिए किया प्रेरित

एसजीआरआर लालपानी में उत्तराखंड स्थापना दिवस की रजत जयंती धूमधाम से मनाई

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सनेह क्षेत्र के अन्तर्गत श्री गुरू राम राय पब्लिक स्कूल लालपानी में शनिवार को उत्तराखंड स्थापना दिवस की रजत जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। प्रधानाचार्य ने कहा कि विद्यार्थी अपनी जड़ों से जुड़ें। वे संस्कृति से जुड़कर अपने क्षेत्र का नाम रोशन करें। उन्होंने छात्र-छात्राओं को अपनी संस्कृति से जुड़ने और नशा मुक्त उत्तराखण्ड बनाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य ने छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य विभाकर डबराल ने द्वीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर उत्तराखंड की संस्कृति को उजागर करते हुए विद्यालय के चारों सदनों के छात्राओं ने गढ़वाली पोशाक पहनकर गढ़वाली भाषा में अपने विचार व्यक्त किये। इस मौके पर प्रधानाचार्य ने शहीद आंदोलनकारियों को नमन करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड स्थापना का यह अवसर हमें न केवल गर्वित करता है, बल्कि भविष्य के लिए नये संकल्प लेने और जिम्मेदारियों को लेने के लिए भी प्रेरित करता है। कहा कि आज की युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति और परम्परा को भूलती जा रही है, इसी उद्देश्य से विद्यालय के छात्र-छात्राओं को गढ़वाली भाषा में भाषण देने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि आने वाले समय में बच्चे बोली भाषा और संस्कृति से जुड़े रहे। इस मौके पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

पोस्टर प्रतियोगिता में साक्षी, साबिया, दिव्या रही अव्वल

एसजीआरआर पैरामेडिकल कॉलेज में मनाया विश्व रेडियोलॉजी दिवस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : श्री गुरु राम राय पैरामेडिकल कॉलेज कोटद्वार में विश्व रेडियोलॉजी दिवस धूमधाम से मनाया गया। हर वर्ष 8 नवम्बर को यह दिवस विश्व स्तर पर मनाया जाता है, जो चिकित्सा क्षेत्र में सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, एमआरआई और एक्स-रे जैसी तकनीकों के अद्वितीय योगदान को पहचान देने का अवसर है। इस मौके पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में साक्षी प्रथम, साबिया द्वितीय, दिव्या तृतीय स्थान पर रही। रंगोली प्रतियोगिता में सोनम, रिया, अंशिका, ईषा की संयुक्त टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। क्वीज प्रतियोगिता में नबिया, आयुषी, सृष्टि, साक्षी की संयुक्त टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरीश उनियाल एवं नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजकुमार ने द्वीप प्रज्वलन कर किया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरीश उनियाल ने कहा कि रेडियोलॉजी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा इमेजिंग के क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों के प्रति सम्मान प्रकट करना है। साथ ही, आमजन को रेडियोलॉजी की महत्ता और उपयोगिता के प्रति जागरूक करना भी इसका उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि रेडियोलॉजी न केवल रोग के सही निदान में सहायक है, बल्कि मरीजों के उपचार में भी इसकी भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। रेडियोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पूजा जोशी एवं फैक्ल्टी प्रो. आशीष नेगी ने छात्रों को रेडियोलॉजी के जनक प्रोफेसर विलियम कोनार्ड रॉन्जन के जीवन के बारे में जानकारी दी। बताया कि उन्होंने 8 नवंबर 1895 में एक्स-रे तकनीकी की खोज की थी। इसके बाद मरीज की जांच प्रक्रिया में अहम बदलाव आ गए। इस खोज के बाद विश्वभर में चिकित्सा जगत में महत्वपूर्ण कामयाबी हासिल की गई क्योंकि एक्स-रे तकनीक से टूटी हुई हड्डियों को आसानी से देखा जा सकता है। जिससे चिकित्सकों को मरीजों का इलाज करने में काफी सुविधा मिली। चिकित्सा पद्धति में होने वाले बदलावों के चलते अब सीटी स्कैन, एमआरआई, एंजियोग्राफी, अल्ट्रासाउंड जैसी रेडियोलॉजी तकनीक का प्रयोग किया जाने लगा है इससे न केवल डॉक्टर को मरीजों के उपचार में मदद मिलती है बल्कि मरीजों की आन्तरिक बीमारियों का विश्लेषण एवं इलाज भी किया जाता है। इस मौके पर प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर प्रणव राज बमराड़ा, शिवी शर्मा, ऋतुजा, अखिल, गांधी खाबा, नीरज, अंकित, श्वेता, दिव्यांशी, आदित्य, प्रगति, अल्का, कमल, आशीष, सुधीर, महावीर आदि मौजूद रहे।

आंदोलनकारियों ने किया सम्मान समारोह का बहिष्कार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड राज्य सरकार द्वारा कोटद्वार में आंदोलनकारियों के सम्मान के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह का उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी राष्ट्रीय मोर्चा के अध्यक्ष एवं यूकेडी संरक्षक डॉ. शक्तिशैल कपरवाण के नेतृत्व में बहिष्कार किया गया। डॉ. शक्तिशैल कपरवाण ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार चुनाव के वर्ष में राज्य आंदोलनकारियों को गुमराह कर उन्हें निष्क्रिय बनाना चाहती है और राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। उन्होंने सरकार से मूल निवास, भू-कानून, रोजगार, जल-जंगल-जमीन पर जनता के अधिकार, स्वास्थ्य, शिक्षा, जल, सड़क पर प्रगति रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की। कहा कि सरकार स्पष्ट करें चिल्लरखाल-लालढांग, कौड़िया-किमसार, नीलकंठ-पटना मोटर व बीन नदी पुल आदि निर्माण कार्य शुरू क्यों नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य निर्माण के 25 साल बाद भी उत्तराखंड की संपत्ति पर उत्तर प्रदेश का कब्जा क्यों है। कहा कि उत्तराखंड के 25 वर्षों की दुर्दशा के लिए कौन जिम्मेदार है इस पर क्यों चर्चा नहीं होती। समारोह का बहिष्कार करने वालों में अखिलेश बड़थ्वाल, पंकज डबराल, पंकज उनियाल, जगदीश मेहरा, विपिन कोटनाला, अनूप कंडारी, हरीश बहुखण्डी, दिनेश सती सहित अन्य राज्य आंदोलनकारी शामिल थे।

नि:शुल्क कोचिंग के लिए 25 नवंबर तक करें आवेदन

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) में संघ लोक सेवा आयोग तथा राज्य लोक सेवा आयोग की निःशुल्क कोचिंग सत्र 2025-26 के लिए ऑनलाइन आवेदन भरने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 नवंबर निर्धारित की गई है।

डीएसीई योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन स्कीम के लाभार्थी के मेधावी छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उक्त योजना भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित की जा रही है। जिसमें हर वर्ष 100 अभ्यर्थियों को सिविल सेवा की तैयारी के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। प्रवेशित सभी अभ्यर्थियों को भारत सरकार द्वारा 4000 रूपये प्रति माह का स्टाइपेंड भी दिया जाता है। केंद्र के समन्वयक प्रो. एमएम सेमवाल ने कहा है कि उक्त योजना के लिए आवेदन 5 नवंबर 2025 से शुरू हो गए हैं। इच्छुक अभ्यार्थी 25 नवंबर 2025 तक अपने आवेदन कर सकते है। आवेदन के लिए वह अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी पात्र हैं जिनकी शक्ल पारिवारिक आय 8 लाख रूपये वार्षिक से कम हो। प्रो. सेमवाल ने बताया कि चौरास परिसर स्थित अंबेडकर उत्कृष्ट केंद्र में 12 महीने तक हर बैच को सिविल सेवाओं की तैयारी के लिए कोचिंग कराई जाती है। इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। पिछले तीन वर्षों में केंद्र के अनेक छात्र उत्तराखंड लोक सेवा आयोग पीसीएस परीक्षा, त्रिपुरा राज्य लोक सेवा आयोग परीक्षा, सचिवालय समीक्षा अधिकारी, सीडीएस, एसएससी, दिल्ली पुलिस, भारतीय खाद्य निगम, नेट जेआरएफ आदि अनेक परीक्षाओं को उत्तीर्ण कर चुके हैं। योजना की अधिक जानकारी के लिए गढ़वाल विश्वविद्यालय की वेबसाइट तथा ऑनलाइन आवेदन समर्थ ऐडमिशन पोर्टल पर जाकर किए जा सकते हैं।

ऐपण उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत का एक अभिन्न अंग

ऐपण प्रतियोगिता में निकिता रावत ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड राज्य स्थापना के अवसर पर रजत जयंती समारोह के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी कोटद्वार में ऐपण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में निकिता रावत बीए तृतीय वर्ष, गरिमा लखेड़ा बीए द्वितीय वर्ष, ऋतिका बीएससी द्वितीय वर्ष ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

डॉ. विनय देवलाल ने ऐपण प्रतियोगिता के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि ऐपण एक कला ही नहीं है बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत है जो यहां की परंपरा व सांस्कृतिक जीवंतता को दर्शाती है। ऐपण कला उत्तराखंड की लोककला व संस्कृति के गौरवशाली और आध्यात्मिक मूल स्वरूप को रेखांकित करती है। ऐपण को केवल एक सजावटी कला मानना उसके वास्तविक महत्व को कम करना है। यह वास्तव में उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत का एक अभिन्न अंग है। यह एक अमूल्य धरोहर है जिसे सहेजने की आवश्यकता है। इस मौके पर प्राचार्य प्रो. हरीश चंद्र ने लोककला के महत्व को बताते हुए कहा कि यह एक सांस्कृतिक विरासत है जोकि अपनी परंपराओं को जीवंत रखती है, यह विरासत आगे बढ़ती रहनी चाहिए। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में डॉ. इन्दू मलिक , डॉ. अंजु थपलियाल, श्रीमती दीप्ती मैठाणी ने निभाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उषा सिंह ने किया।

छात्र गुटों में हुई मारपीट, मची अफरा तफरी, पुलिस ने की कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शनिवार को राजकीय महाविद्यालय में अजीब स्थिति पैदा हो गई। एक ओर जहां रोजगार मेला शांतिपूर्वक चल रहा था, वहीं दूसरी ओर छात्र गुटों में किसी बात को लेकर हुई बहस मारपीट में बदल गई। छात्र एक-दूसरे को मारने पीटने के लिए भागने लगे, जिससे अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों के छात्रों को कोतवाली ले आई।

पुलिस के अनुसार सूचना मिली की पिताम्बर दत्त राजकीय महाविद्यालय, कोटद्वार में छात्र संगठनों के दो गुटों के बीच तीखी कहासुनी व झगड़ा हो रहा है और छात्र अपने अध्यापकों की बात भी नहीं सुन रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना कोटद्वार पुलिस टीम तत्परता से मौके पर पहुंची। पुलिस के पहुंचने पर दोनों छात्र गुटों के बीच तनाव अत्यधिक बढ़ चुका था और वे एक-दूसरे से मारपीट पर उतारू हो रखे थे।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तुरंत हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को अलग किया और भीड़ को नियंत्रित किया। जिला पुलिस की सोशल मीडिया सेल से मिली जानकारी के अनुसार इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा था, जिस पर कोटद्वार पुलिस ने वीडियो की सत्यता की पुष्टि कर संबंधित छात्रों की पहचान की और दोनों पक्षों को थाने लाकर 172 बी.एन.एस. एस के अंतर्गत सभी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई। पुलिस के अनुसार प्रथम पक्ष के विकास कुमार, हिमांशु प्रभाकर, अमन सिंह, रोमगोपाल, आकाश, निशान्त अग्रवाल, निशान्त राजपाल और द्वितीय पक्ष के हिमांशु, ऋषभ, सौरभ रावत के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

रोजगार मेले में 325 अभ्यर्थियों ने कराया पंजीकरण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जिला प्रशासन और सेवायोजन कार्यालय लैंसडौन की ओर से कोटद्वार स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती के अवसर पर शनिवार को रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूंड़ी भूषण ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने उत्तराखंड निर्माण के लिए राज्य आंदोलनकारियों के बलिदान को नमन करते हुए राज्य के सर्वागीण विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने राज्य के विकास के लिए स्वरोजगार को बढ़ावा दिए जाने को महत्वपूर्ण बताया। इस दौरान स्वरोजगार के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत चयनित लाभार्थियों को चेक भी प्रदान किए गए। इस दौरान सेवायोजन कार्यालय लैंसडाउन, श्रम विभाग के द्वारा लगाए गए स्टालों में कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया। मुख्य सेवायोजन अधिकारी लैंसडाउन उत्तम कुमार ने बताया कि मेले में 27 कंपनियों ने बेरोजगार युवाओं को पंजीकृत कर मार्गदर्शन किया। वहीं पूरे जनपद के 325 अभ्यर्थियों द्वारा पंजीकरण करवा कर रोजगार मेले का लाभ लिया गया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, प्राचार्य प्रो. डी.एस. नेगी, कमल नेगी, अरविंद दुदपुड़ी सहित महाविद्यालय के समस्त कर्मचारी मौजूद थे।

मसूरी में राज्य स्थापना के रजत जयंती पर निकाली भव्य रैली

देहरादून। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित रैली में छात्र–छात्राएं, राजनीतिक दल, सामाजिक संस्थाओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। पारंपरिक वेशभूषणा में पहुंची महिलाओं ने उत्तराखंड की संस्कृति के दर्शन कराए। राज्य स्थापना दिवस के दो दिवसीय कार्यक्रमों के तहत नगर पालिका की ओर से सांस्कृतिक रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ पालिकाध्यक्ष मीरा सकलानी ने सर्वे मैदान में रिबन काटकर किया। रैली सर्वे के मैदान से शुरू होकर मालरोड होते हुए गांधी चौक पर संपन्न हुई। रैली में विभिन्न स्कूलों के छात्र छात्राएं, सामाजिक संस्थाओं के सदस्य, पारंपरिक वाद्य यंत्र, बैंड के साथ शामिल हुए। रैली में गढ़वाल महासभा ,बद्री केदार महिला समूह मसूरी, हेमंत महिला समूह, झूमेलों ग्रुप सहित स्कूल व अन्य क्लब शामिल रहे। इस दौरान महिलाएं अपनी पारंपरिक वेशभूषा में नजर आई' माल रोड पर पर्यटकों ने भी जमकर नृत्य किया। जहां पर बोन फायर किया गया जिसके बाद मन्राण का कार्यक्रम किया गया। पालिकाध्यक्ष मीरा सकलानी ने पूरे प्रदेश वासियों को रजत जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने राज्य आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी व कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के बल पर ही राज्य का निर्माण हुआ। उन्होंने कहा कि सभी को मिल कर राज्य को आगे बढ़ाने के लिए एक मंच पर आकर यह विचार करना चाहिए कि जो गलतियां हुई है उसमें कैसे सुधार किया जा सकता है। उन्होंने कहाकि उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत बहुत धनी है व महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में आयी है जिसका संदेश पूरे विश्व में जायेगा। इस मौके पर बद्री केदार महिला समूह मसूरी की लक्ष्मी उनियाल ने कहा कि उनकी टीम पारंपरिक वेशभूषा में आयी है ताकि आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति को समझ सके। पूर्व पालिकाध्यक्ष ओपी उनियाल ने कहा कि इन पच्चीस वर्ष में राज्य ने काफी विकास किया है, व पूरे प्रदेश में उल्लास के साथ मना रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष मोहन पेटवाल ने प्रदेश वासियों को बधाई दी। इस मौके पर उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी का विशेष आभार किया जिन्होंने उत्तराखंड राज्य का निर्माण किया। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष रजत अग्रवाल, उपाध्यक्ष अरविंद सेमवाल जगजीत कुकरेजा, कुशाल राणा, राजेंद्र रावत, नगर पालिका सभासद रूचिता गुप्ता, बबीता मल्ल, गौरी थपलियाल, पवन थलवाल, सचिन गुहेर, नीतू चौहान, रणवीर कंडारी, विजय बिंदवाल, सूरत सिंह रावत, अनुज तायल, सुरेश गोयल, रूपचंद, रफीक अहमद आदि मौजूद थे।